न्यूज डायरी

अमेरिका भारत को बेच रहा मिसाइलें, पाकिस्तान में मची खलबली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत को हार्पून मिसाइलें और मार्क 54 टारपीडो बेचने को लेकर अपने देश की कांग्रेस को जानकारी दी। इससे पाकिस्तान में खलबली मच गई है। पाकिस्तान का कहना है कि अमेरिका के भारत को पोत–रोधी मिसाइलें बेचना श्परेशान करने वालाश है और इससे क्षेत्र में अस्थिरताश पैदा होगी। पाक की ओर से कहा गया है कि वह अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध चाहता है। पाकिस्तान विदेश कार्यालय की प्रवक्ता आइशा फारूकी ने कहा कि अमेरिका की भारत को मिसाइलों की बिक्री परेशान करने वाली है। उन्होंने कहा, श्तकनीकी सहायता और साजोसामान मदद के साथ इस तरह की मिसाइल प्रणालियों की बिक्री परेशान करने वाली है, जब महामारी से लड़ने के लिए वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं...इससे दक्षिण एशिया की पहले से ही संवेदनशील स्थिति अस्थिर होगी।

ईरान में आर्मी डे पर मिसाइल नहीं मेडिकल गियर की परेड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ईरान। ईरान में आर्मी डे पर मिसाइल नहीं मेडिकल गियर की परेडईरान में कोरोना वायरस के संकट के बीच आर्मी डे का आयोजन किया गया जिसमें मिसाइल नहीं बल्कि डिसइन्फेक्शन वाहन, मोबाइल हॉस्पिटल और मेडिकल उपकरण की परेड निकाली गई। यहां कोरोना से मरने वालों की संख्या 5 हजार का आंकड़ा पार कर गई है। राष्ट्रपति ने कहा कि अभी हालात सामान्य नहीं हैं इसलिए सामान्य तरीके की परेड भी आयोजित नहीं हो सकती है। यह पारंपरिक आर्मी डे परेड से बिल्कुल अलग था जिसमें मिसाइल, सबमरीन और हथियारबंद वाहनों की परेड होती है और फ्लाई पास्ट कराया जाता है। इनकी जगह डिसइन्फेंक्शन वाहन, मेडिकल इक्विपमेंट की परेड देखने को मिली। राष्ट्रपति हसन रोहानी ने जवानों के नाम जारी संदेश में कहा, श्स्वास्थ्य और सोशल प्रोटोकॉल के कारण जवानों की परेड नहीं निकाला जा सकती।

9 महीने बाद लौटे स्पेस यात्रियों के लिए बदल गई है धरती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नुर–सुल्तान (कजाकिस्तान)। दिसंबर के आखिरी में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप शुरू होने के बाद से लोगों के लिए दुनिया काफी बदल गई है। इस बदलाव को और अब ज्यादा गहराई से महसूस कर रहे हैं हाल ही में अंतरिक्ष से लौटे तीन यात्री– रूस केओलेग स्क्रीपोचका, अमेरिका की जेसिका मीर और एंड्रू मॉर्गन। इनके लिए आइसोलेशन कोई नई बात नहीं है, लेकिन धरती पर यह सब होना उनके लिए हैरान कर देने वाला है। वह 9 महीने पहले जैसी धरती छोड़कर गए थे, वैसी वह नहीं रह गई और इसका अहसास उन्हें तभी चल गया जब धरती पर उतरते ही उनके आसपास मास्क और ग्लव्स लगाए लोग मौजूद थे। मीर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, अंतरिक्ष से धरती हमेशा की तरह अद्भुत दिखती है, इसलिए हम जो छोड़कर गए थे और उसके बाद के बदलाव को स्वीकार करना काफी कठिन है।

लॉकडाउन में ढील मिलते ही खुला ब्यूटी पार्लर, हेयरड्रेसर की साइट हुई क्रैश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोपनहेगन। कोपनहेगन ने डेनमार्क के दौरान ब्यूटी पार्लर खोलने का क्या फैसला किया कि लोगों में हेयर कटिंग की होड़ मच गई और इतनी प्री–बुकिंग होने लगी कि हेयरड्रेसर की साइट ही क्रैश हो गई। दरअसल, डेनमार्क में लॉकडाउन में ढील देते हुए सोशल डिस्टेंसिंग के साथ प्राइमरी क्लास के बच्चों के लिए स्कूल ओपन कर दिया गया था। अब ब्यूटी सलॉन, हेयरड्रेर्स और टैटू पार्लर सोमवार से खोलने का फैसला कर लिया है। डेनमार्क यूरोप के उन देशों में रहा है जहां बेहद शुरुआत में ही कोरोना वायरस से निपटने के लिए प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए गए थे और 12 मार्च को लोगों की गतिविधियों पर रोक लगनी शुरू हो गई थी। स्थानीय न्यूज पेपर एक्स्ट्रा के मुताबिक, लोगों को लॉकडाउन में अपने बाल कटवाने में सबसे ज्यादा दिक्कतें आ रही हैं।

चीन का नया आंकड़ा, ऐसे बचाव में आया डब्ल्यूएचओ

कोरोना

कहा– स्टाफ पर काम के बोझ कारण पहले नहीं आए सही आंकड़े

■वुहान में मृतकों की संख्या में 50 फीसदी की वृद्धि देखी गई है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जिनेवा/पेइचिंग। डब्ल्यूएचओ कोरोना वायरस से निपटने के अपने तरीके को लेकर पश्चिमी देशों के निशाने पर है। यहां तक कि अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन का पक्ष लेने का आरोप लगाते हुए फंड भी रोक दिया है लेकिन इस बीच डब्ल्यूएचओ मौत के आंकड़ों को लेकर सीधे–सीधे चीन का बचाव करते दिखा। डब्ल्यूएचओ ने शुक्रवार को कहा कि जिस तरह चीन ने अपना संशोधित आंकड़ा पेश किया है आने वाले दिनों में दूसरे देश में ऐसा कर सकते हैं।

दरअसल, चीन पर आंकड़े छुपाने के आरोप लग रहे थे। इस बीच उसने शुक्रवार को संशोधित आंकड़ा पेश किया जिसके बाद उसके यहां हुई मौतों की संख्या 4 हजार से ऊपर बताई जा रही है जो कि पहले चार हजार से काफी कम थी। वहीं कोरोना के केंद्र वुहान शहर में मृतकों की संख्या में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है।

मेडिकल स्टाफ पर दबाव का दिया हवाला: डब्ल्यूएचओ ने शुक्रवार को कहा कि वुहान में संक्रमण बहुत तेजी से फैला और प्राधिकारियों के लिए हर मौत एवं संक्रमण के मामले को दर्ज करना मुश्किल हो गया। कोविड–19 संबंधी तकनीकी मामलों के लिए डब्ल्यूएचओ का नेतृत्व कर रही मारिया वान केरखोव ने कहा, संक्रमण जारी रहने के दौरान हर मामले और हर मौत को पहचानना चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने यहां वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरा अनुमान है कि कई देशों में ऐसी ही स्थिति पैदा होगी, जब उन्हें पीछे मुड़कर अपने रिकॉर्ड की समीक्षा करनी होगी और देखना होगारू क्या हमने सभी मामलों को पहचाना? उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूएचओ से पहले चीन भी संशोधित आंकड़ों को लेकर ऐसी ही सफाई दे चुका है।

कागजी काम न होने का भी रोया रोना: डब्ल्यूएचओ अधिकारी ने कहा कि वुहान में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर काम का बहुत दबाव था, कुछ मरीजों की घर में ही मौत हो गई और अन्य लोग अस्थायी केंद्रों में थे। मेडिकल स्टाफ का ध्यान मरीजों के उपचार पर था, इसलिए उन्होंने समय पर कागजी काम नहीं किया। डब्ल्यूएचओ में आपात मामलों के निदेशक माइकल रेयान ने कहा, सभी देश ऐसी स्थिति का सामना करेंगे। लेकिन उन्होंने देशों से जल्द से जल्द सटीक आंकड़े मुहैया कराने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका सहित कुछ पश्चिमी देशों ने चीन के आंकड़े पर शक जाहिर किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ पर कोरोना मामले में गैरजिम्मेदार रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया।

चीन के वायरस बैंक को फंड नहीं देगा अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चीन की गलती, 184 देश भुगत रहे सजा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह उन खबरों को ध्यान से देख रहे हैं जिनमें यह दावा किया गया है कि नोवेल कोरोना वायरस चीन के वुहान स्थित वायरस बैंक से निकला है। इस वायरस ने अब तक पूरी दुनिया में 1.5 लाख जानें ले ली हैं । मृतकों में 35 हजार से अधिक अमेरिकी हैं। ट्रंप ने इसके साथ ही वुहान इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी को दिए जाने वाले फंड को रोकने की भी घोषणा की है।

फॉक्स न्यूज के मुताबिक, अमेरिका उन दावों की व्यापक जांच कर रहा है कि क्या घातक वायरस वुहान इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से लीक हुआ है। साथ ही बताया कि खुफिया एजेंसी लैब और वायरस के शुरुआती प्रभाव की जानकारी जुटा रहा है।

कोरोना वायरस चीन की वुहान स्थित प्रयोगशाला से निकला है, इस सवाल पर ट्रंप ने शुक्रवार को वाइट हाउस में प्रेस वार्ता में संवाददाताओं से कहा, हम इस पर गौर कर रहे हैं, कई लोग इसपर गौर कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि इसमें कुछ सच्चाई है। ट्रंप ने कहा, कई अजीब चीजें हो रही हैं लेकिन बहुत जांच होनी बाकी है और हम सच का पता लगा लेंगे।

कोरोना से लड़ने में भारत के प्रयास की सराहना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) स्विट्जरलैंड। कोरोना से लड़ने में भारत के प्रयास की सराहना, स्विट्जरलैंड का मैटरहॉर्न पर्वत तिरंगे के रंग में रोशनकोरोना वायरस से निपटने में भारत की तैयारियों की डब्ल्यूएचओ सहित कई देशों ने तारीफ की है। और अब इस कड़ी में स्विट्जरलैंड भी जुड़ गया है जहां स्विस आलप्स के मैटरहॉर्न पर्वत को रोशनी की मदद से तिरंगे से कवर कर दिया गया। भारत के लिए इस सम्मान की वजह यह भी है कि संकट की घड़ी में भारत ने एशिया हो या अफ्रीका, यूरोप या अमेरिका हर देश की मदद की है। पीएम मोदी ने तिरंगे के रंग से नहाए पर्वत की तस्वीर खुद रीट्वीट की है और कहा कि दुनिया कोविड19 के खिलाफ एकजुट होकर लड़ रही है। महामारी पर निश्चित रूप से मानवता की जीत होगी।

नैरोबी के गवर्नर कोरोना मिटाने बांट रहे हैं शराब डब्ल्यूएचओ ने कहा, नशा करने से बढ़ेगी महामारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नैरोबी। दुनियाभर के वैज्ञानिक कोरोना वायरस का इलाज नहीं ढूंढ पाए हैं और हालत यह है कि 100 साल पुरानी दवाइय बीसीजी और प्लाज्मा थेरेपी में इलाज ढूंढा जा रहा है। वहीं, अफ्रीकी देश केन्या के गवर्नर दावा कर रहे हैं शराब से कोरोना वायरस को खत्म किया जा सकता है। इतना ही नहीं वह अपने राज्य में गरीब लोगों को फूड पैकेट के साथ शराब की बोतलें भी बांट रहे हैं। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने शराब से कोरोना को खत्म करने के दावे को खारिज कर दिया है।

नैरोबी के गवर्नर माइक सोंको का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह कह रहे हैं कि हम कोरोना वायरस महामारी के बीच शहर के गरीब परिवारों में फूड पैकेट बंटवा रहे हैं जिसमें हेनेसी (शराब का एक प्रकार) की छोटी बॉटल भी दी जा रही है।

उन्होंने आगे दावा किया, मुझे लगता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और दूसरे स्वास्थ्य संगठनों के रिसर्च में पाया गया है कि कोरोना वायरस या किसी अन्य प्रकार के वायरस को खत्म करने में शराब की अहम भूमिका होती है।

हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन को जब इसकी खबर लगी तो इसने बयान जारी कर दावे को खारिज कर दिया। अपने बयान में इसने कहा, शराब का सेवन संक्रामक और गैर–संक्रामक बीमारियों और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा हुआ है और ऐसे व्यक्ति में कोविड19 महामारी का संक्रमण और बढ़ सकता है।

पाकिस्तान में कोविड–19 हो जाने के डर से एक बुजुर्ग ने अपनी जान दे दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर में 68 साल के एक बुजुर्ग ने कोविड–19 से संक्रमित हो जाने के डर से कब्रिस्तान में अपने शरीर में आग लगाकर कथित रूप से खुदकुशी कर ली। पाकिस्तान में इस तरह का यह पहला मामला है कि कोरोना वायरस के एक संदिग्ध मरीज ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस के अनुसार अस्थमा के मरीज हनीफ अहमद ने हाल ही में सांस लेने में परेशानी की शिकायत की थी लेकिन उसने अस्पताल ले जाने की अपने परिवारवालों की कोशिश का विरोध किया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, '' जब उसके परिवार के सदस्यों और कुछ पड़ोसियों को कोविड–19 जैसे लक्षण दिखने पर उनके इस बीमारी के चपेट में आने का संदेह होने लगा, तब अहमद के मन में भी इस बीमारी का डर घर कर गया।'' अधिकारी के मुताबिक अहमद बृहस्पतिवार को पेट्रोल लेकर आया। वह समीप के एक कब्रिस्तान में गया एवं अपने शरीर में आग लगा ली जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। मरने से पहले उसने पुलिस को दिये बयान में कहा कि किसी ने उससे कहा कि वह कोविड–19 का पुष्ट रोगी है, इसलिए उसने ऐसा कदम उठाया।